भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. †2683

सोमवार, 17 मार्च, 2025/26 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा देना**

**†2683. श्री बलराम नाइक पोरिका:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पारिस्थितिकी दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान सांस्कृतिक पर्यटन का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ग) पर्यटन के माध्यम से पारंपरिक कला रूपों को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ग): सतत पर्यटन और पारंपरिक कला के रूपों सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से सतत पर्यटन और पारंपरिक कला के रूपों सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों को विकसित करके और उन्हें बढ़ावा देकर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

मंत्रालय द्वारा निरुपित राष्ट्रीय सतत पर्यटन कार्यनीति में दो प्रमुख बुनियादी बातें पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता हैं। कार्यनीति के अनुरूप, देश में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए और पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों को स्थायी पर्यटन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया गया है।

मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप प्रदान किया गया है, जिसका उद्देश्य पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण का पालन करते हुए सतत और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों का विकास करना है। इस योजना के अंतर्गत, पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया है।

******